

# 中国儒学百科全书

---

## ENCYCLOPEDIA OF CONFUCIANISM IN CHINA

中国孔子基金会编

中国大百科全书出版社

北京·1997

## 图书在版编目(CIP)数据

中国儒学百科全书/中国孔子基金会编. —北京:中国大百科全书出版社, 1996  
ISBN 7-5000-5720-2

I . 中… II . 中… III . 儒家-研究-百科全书 IV . B222-61

中国版本图书馆 CIP 数据核字(96) 第 07878 号

中国大百科全书出版社出版发行

(北京阜成门北大街 17 号 邮编:100037)

北京图文印刷厂印刷 新华书店总店北京发行所经销

开本: 787×1092 1/16 印张: 66 字数: 2199 千字

1997 年 3 月第 1 版 1997 年 3 月第 1 次印刷 印数: 0001~4000

定价:198.00 元

# 条 目 分 类 目 录

## 儒学 ..... 1

### 【儒学通论】

#### 〔释儒〕

|          |    |
|----------|----|
| 儒 .....  | 11 |
| 儒术 ..... | 12 |
| 儒家 ..... | 13 |
| 儒生 ..... | 16 |
| 儒教 ..... | 17 |

#### 〔儒学经典〕

|               |        |
|---------------|--------|
| 六经 .....      | 18     |
| 《周易》 .....    | 20     |
| 《诗》 .....     | 21     |
| 《书》 .....     | 24     |
| 《礼》 .....     | 25     |
| 《乐》 .....     | 27     |
| 《春秋》 .....    | 28     |
| 五经(见六经) ..... | 29(18) |
| 四书 .....      | 29     |

## 经学流派 ..... 31

|              |    |
|--------------|----|
| 今古文学 .....   | 33 |
| 章句注疏之学 ..... | 35 |
| 义理之学 .....   | 36 |
| 训诂考据之学 ..... | 36 |
| 经世之学 .....   | 38 |

## 儒家哲学思想 ..... 40

|             |    |
|-------------|----|
| 天命观 .....   | 43 |
| 天人观 .....   | 45 |
| 太极观 .....   | 48 |
| 阴阳观 .....   | 50 |
| 道器观 .....   | 52 |
| 理气观 .....   | 54 |
| 心物观 .....   | 56 |
| 心理观 .....   | 58 |
| 体用观 .....   | 60 |
| 相反相成说 ..... | 62 |
| 变化日新说 ..... | 64 |

|             |    |
|-------------|----|
| 中庸说 .....   | 65 |
| 同异观 .....   | 67 |
| 动静观 .....   | 68 |
| 常变观 .....   | 70 |
| 思学论 .....   | 72 |
| 格致论 .....   | 73 |
| 知行观 .....   | 74 |
| 名实论 .....   | 76 |
| 人道观 .....   | 78 |
| 生死观 .....   | 80 |
| 淑世论 .....   | 81 |
| 元气论 .....   | 83 |
| 道统论 .....   | 84 |
| 内圣外王说 ..... | 85 |

## 儒家宗教观 ..... 88

|             |    |
|-------------|----|
| 尊天敬祖说 ..... | 90 |
| 鬼神观 .....   | 92 |
| 祭祀观 .....   | 94 |
| 卜筮观 .....   | 95 |
| 神道设教说 ..... | 97 |

## 儒家伦理思想 ..... 99

|           |     |
|-----------|-----|
| 人伦说 ..... | 102 |
| 纲常说 ..... | 105 |
| 仁论 .....  | 107 |
| 礼论 .....  | 109 |
| 仁义论 ..... | 112 |
| 忠孝论 ..... | 115 |
| 四德说 ..... | 117 |
| 心性观 ..... | 118 |
| 性情观 ..... | 120 |
| 理欲观 ..... | 121 |
| 义利观 ..... | 124 |
| 义命观 ..... | 126 |
| 苦乐观 ..... | 127 |
| 荣辱观 ..... | 128 |
| 气节论 ..... | 129 |
| 中和说 ..... | 131 |
| 经权说 ..... | 132 |
| 省身说 ..... | 134 |

|                 |     |               |     |
|-----------------|-----|---------------|-----|
| 践履说             | 135 | 朋友观           | 203 |
| 诚心说             | 137 | 家国观           | 204 |
| 人性论             | 139 | 四海一家说         | 206 |
| 君子论             | 141 | 大同说           | 207 |
| 圣人论             | 143 | <b>儒家教育思想</b> | 210 |
| <b>儒家政治思想</b>   | 146 | 有教无类说         | 212 |
| 德政说             | 148 | 因材施教说         | 213 |
| 仁政说             | 150 | 学以成才说         | 214 |
| 贵民说             | 153 | 变化气质说         | 216 |
| 养民说             | 155 | 明伦说           | 217 |
| 富民说             | 156 | 学校论           | 219 |
| 教民说             | 158 | 师道论           | 220 |
| 君道论             | 159 | 尊师重道          | 223 |
| 举贤说             | 161 | 教学相长          | 223 |
| 纳谏说             | 162 | 学以致用说         | 224 |
| 出处进退说           | 163 | 学而优则仕         | 225 |
| 诛伐说             | 164 | <b>儒家史学思想</b> | 227 |
| 王霸论             | 165 | 通变说           | 229 |
| 华夷论             | 167 | 三才说           | 230 |
| 修身为本论           | 168 | 损益说           | 231 |
| 忧患意识            | 170 | 因革说           | 232 |
| <b>儒家经济思想</b>   | 172 | 尊古说           | 233 |
| 重农论             | 173 | 变古说           | 233 |
| 分田制禄说           | 175 | 托古说           | 233 |
| 井田说             | 176 | 疑古说           | 234 |
| 限田说             | 177 | 道不变说          | 234 |
| 轻徭薄赋说           | 179 | 循环说           | 235 |
| 扶商惠工说           | 180 | <b>儒家文艺思想</b> | 237 |
| 开源节流说           | 181 | 载道说           | 239 |
| 均平说             | 182 | 言志说           | 242 |
| <b>儒家军事思想</b>   | 185 | 教化说           | 244 |
| 禁暴除害说           | 187 | 情理观           | 246 |
| 用兵附民说           | 188 | 情景观           | 248 |
| 人和说             | 189 | 德艺观           | 250 |
| 仁者无敌说           | 189 | 才法观           | 252 |
| 先礼后兵说           | 191 | 赋比兴说          | 254 |
| 兵贵伐谋说           | 192 | 文气说           | 256 |
| <b>[儒家社会思想]</b> |     | 通变说           | 257 |
| 合群论             | 194 | 讽谏刺美说         | 259 |
| 劳心劳力说           | 195 | 移风易俗说         | 260 |
| 和一不争说           | 196 | 陶冶性情说         | 261 |
| 宗法观             | 197 | <b>儒家美学思想</b> | 263 |
| 五服九族说           | 199 | 尽善尽美论         | 265 |
| 婚嫁观             | 201 | 文质观           | 266 |

|                    |            |                    |            |
|--------------------|------------|--------------------|------------|
| 象意观·····           | 268        | 舜·····             | 327        |
| 虚实观·····           | 269        | 禹·····             | 327        |
| 刚柔观·····           | 270        | 汤·····             | 328        |
| 雅俗观·····           | 271        | 周文王·····           | 328        |
| 中和为美说·····         | 272        | 周武王·····           | 328        |
| 比德说·····           | 273        | 周公旦·····           | 328        |
| 感兴说·····           | 275        | 宗法·····            | 329        |
| <b>儒家科技思想·····</b> | <b>277</b> | 封建·····            | 330        |
| 儒学与科学·····         | 278        | 六艺·····            | 330        |
| 生化原理·····          | 280        | 天·····             | 331        |
| 循环原理·····          | 281        | 受天永命·····          | 332        |
| 感应原理·····          | 282        | 敬天保民·····          | 332        |
| 象数原理·····          | 283        | 惟德是辅·····          | 332        |
| 象类论·····           | 284        | 天视自我民视·····        | 332        |
| 实验论·····           | 286        | 惟命不于常·····         | 332        |
| 物理学·····           | 287        | 洪范九畴·····          | 333        |
| 数学·····            | 288        | 五行·····            | 333        |
| 格致学·····           | 289        | 八卦·····            | 333        |
| 天工开物说·····         | 290        | 六十四卦·····          | 334        |
| 制器尚象说·····         | 291        | 占筮·····            | 334        |
| 莫破·····            | 292        | 职竞由人·····          | 335        |
| <b>[儒学与其他学派]</b>   |            | 周礼尽在鲁·····         | 335        |
| 儒家与墨家·····         | 293        | 礼坏乐崩·····          | 335        |
| 儒学与道家·····         | 293        | 学在四夷·····          | 335        |
| 儒学与法家·····         | 296        | 天道远人道迩·····        | 335        |
| 儒学与阴阳家·····        | 297        | 和同之辨·····          | 335        |
| 儒学与玄学·····         | 299        | <b>先秦儒学·····</b>   | <b>337</b> |
| 儒学与佛学·····         | 299        | 孔学·····            | 340        |
| 儒学与道教·····         | 302        | 孟学·····            | 341        |
| 儒释道合流·····         | 304        | 荀学·····            | 341        |
| 儒学与基督教·····        | 306        | 儒家八派·····          | 343        |
| 儒学与伊斯兰教·····       | 308        | 儒墨显学·····          | 343        |
| 儒学与民间宗教·····       | 309        | 孔子·····            | 343        |
| <b>[儒学在海外的传播]</b>  |            | 《论语》·····          | 348        |
| 儒学在朝鲜·····         | 312        | 命·····             | 348        |
| 儒学在越南·····         | 314        | 敬鬼神而远之·····        | 349        |
| 儒学在日本·····         | 317        | 仁·····             | 350        |
| 儒学在东南亚·····        | 319        | 忠恕·····            | 351        |
| 儒学在欧美·····         | 321        | 己所不欲勿施于人(见忠恕)····· | 352(351)   |
| <b>【历代儒学】</b>      |            | 己欲达而达人(见忠恕)·····   | 352(351)   |
| <b>[儒学渊源]</b>      |            | 礼·····             | 352        |
| 尧·····             | 327        | 克己复礼·····          | 353        |
|                    |            | 和为贵·····           | 354        |
|                    |            | 忠信孝悌·····          | 354        |
|                    |            | 智仁勇·····           | 355        |

|                  |          |               |     |
|------------------|----------|---------------|-----|
| 温良恭俭让.....       | 355      | 四端.....       | 373 |
| 杀身成仁(见仁).....    | 355(350) | 良知良能.....     | 374 |
| 乡原.....          | 355      | 大体小体.....     | 374 |
| 中庸.....          | 356      | 浩然之气.....     | 375 |
| 义利.....          | 357      | 舍生取义.....     | 375 |
| 性习.....          | 357      | 大丈夫.....      | 375 |
| 文质.....          | 358      | 人皆可以为尧舜.....  | 376 |
| 尽善尽美.....        | 358      | 性善.....       | 376 |
| 思无邪.....         | 358      | 天爵人爵.....     | 377 |
| 乐而不淫哀而不伤.....    | 358      | 人伦.....       | 377 |
| 智者乐水仁者乐山.....    | 359      | 亲亲仁民爱物.....   | 378 |
| 兴观群怨.....        | 359      | 民贵君轻.....     | 378 |
| 有教无类.....        | 359      | 仁政.....       | 378 |
| 温故知新.....        | 360      | 不忍人之心.....    | 379 |
| 生知学知.....        | 360      | 井田.....       | 379 |
| 为己之学.....        | 360      | 得民心者得天下.....  | 380 |
| 学思.....          | 361      | 王道霸道.....     | 380 |
| 兴于诗立于礼成于乐.....   | 361      | 法先王.....      | 381 |
| 为政以德.....        | 361      | 以意逆志.....     | 381 |
| 正名.....          | 362      | 理义悦心.....     | 382 |
| 富而后教.....        | 362      | 知人论世.....     | 382 |
| 圣人.....          | 363      | 充实之谓美.....    | 382 |
| 四毋.....          | 363      | 荀子.....       | 383 |
| 孔门弟子.....        | 363      | 《荀子》.....     | 385 |
| 冉伯牛.....         | 364      | 《劝学》.....     | 385 |
| 子路.....          | 364      | 《天论》(荀子)..... | 386 |
| 闵子骞.....         | 364      | 《正名》.....     | 386 |
| 宰我.....          | 364      | 《解蔽》.....     | 386 |
| 冉有.....          | 365      | 《性恶》.....     | 386 |
| 冉雍.....          | 365      | 《礼论》(荀子)..... | 386 |
| 颜回.....          | 365      | 《乐论》(荀子)..... | 387 |
| 子贡.....          | 366      | 《王制》(荀子)..... | 387 |
| 子夏.....          | 366      | 天行有常.....     | 387 |
| 子游.....          | 366      | 天官意物.....     | 387 |
| 曾参.....          | 366      | 明于天人之分.....   | 387 |
| 有若.....          | 367      | 制天命而用之.....   | 388 |
| 子张.....          | 367      | 心有征知.....     | 388 |
| 孟子.....          | 367      | 知不若行.....     | 388 |
| 《孟子》.....        | 370      | 隆礼.....       | 388 |
| 诚者天之道思诚者人之道..... | 371      | 乐合同礼别异.....   | 389 |
| 尽心知性知天.....      | 371      | 美善相乐.....     | 389 |
| 万物皆备于我.....      | 372      | 乐肃庄则民齐.....   | 389 |
| 立命.....          | 372      | 性恶.....       | 390 |
| 性命.....          | 372      | 化性起伪.....     | 390 |
| 仁义礼智.....        | 373      | 人最为天下贵.....   | 391 |

|                 |          |
|-----------------|----------|
| 明分使群            | 391      |
| 圣王              | 391      |
| 有治人无治法          | 392      |
| 强本节用            | 392      |
| 王者富民            | 392      |
| 善用兵者善附民(见用兵附民说) | 393(188) |
| 水则载舟水则覆舟        | 393      |
| 法后王             | 393      |
| 解蔽              | 393      |
| 制名以指实           | 394      |
| 从道不从君           | 394      |
| 积善成圣            | 394      |
| 节欲              | 394      |
| 涂之人皆可以为禹        | 394      |
| 善为易者不占          | 395      |
| 《仪礼》            | 395      |
| 《周礼》            | 396      |
| 《国语》            | 397      |
| 《春秋左氏传》         | 398      |
| 《春秋穀梁传》         | 398      |
| 《春秋公羊传》         | 398      |
| 大一统             | 399      |
| 拨乱反正            | 399      |
| 《易传》            | 400      |
| 十翼              | 400      |
| 《彖》             | 400      |
| 《象》             | 401      |
| 《文言》            | 401      |
| 《系辞》            | 401      |
| 《说卦》            | 402      |
| 《序卦》            | 402      |
| 《杂卦》            | 402      |
| 太极              | 403      |
| 两仪              | 403      |
| 四象              | 403      |
| 乾健坤顺            | 404      |
| 一阴一阳之谓道         | 404      |
| 阴阳不测之谓神         | 404      |
| 刚柔相推而生变化        | 405      |
| 生生之谓易           | 405      |
| 居安思危            | 405      |
| 穷则变变则通通则久       | 406      |
| 尚中              | 406      |
| 三才之道            | 406      |
| 天文人文            | 407      |

|                |          |
|----------------|----------|
| 乾元坤元           | 407      |
| 形而上者谓之道形而下者谓之器 | 407      |
| 几与神            | 408      |
| 继善成性(见一阴一阳之谓道) | 408(404) |
| 开物成务           | 408      |
| 乾卦四德           | 408      |
| 太和             | 409      |
| 自强不息厚德载物       | 409      |
| 穷理尽性           | 409      |
| 汤武革命           | 409      |
| 大衍之数           | 410      |
| 天地之数           | 410      |
| 立象尽意           | 410      |
| 文明以健           | 410      |
| 情见乎辞           | 411      |
| 《中庸》           | 411      |
| 天命之谓性          | 412      |
| 中和             | 412      |
| 时中             | 412      |
| 执其两端用其中        | 413      |
| 君子诚之为贵         | 413      |
| 至诚             | 413      |
| 自诚明自明诚         | 413      |
| 赞天地之化育         | 413      |
| 治天下有九经         | 413      |
| 三知三行           | 414      |
| 学问思辨行          | 414      |
| 道并行而不相悖        | 414      |
| 尊德性道问学         | 414      |
| 《大学》           | 414      |
| 明明德            | 415      |
| 亲民             | 415      |
| 止于至善           | 416      |
| 致知在格物          | 416      |
| 诚意正心           | 416      |
| 修齐治平           | 417      |
| 修身为本           | 417      |
| 慎独             | 417      |
| 絮矩之道           | 417      |
| 《乐记》           | 417      |
| 乐本于心           | 418      |
| 声音之道与政通        | 418      |
| 乐以象德           | 418      |
| 乐者天地之和         | 419      |
| 声音乐            | 419      |

|                   |     |
|-------------------|-----|
| 《孝经》·····         | 419 |
| 《尔雅》·····         | 420 |
| <b>秦汉儒学</b> ····· | 421 |

【总论】

|               |     |
|---------------|-----|
| 经学·····       | 423 |
| 今文经学·····     | 424 |
| 古文经学·····     | 424 |
| 博士·····       | 425 |
| 师法家法·····     | 425 |
| 齐学鲁学·····     | 426 |
| 古今文之争·····    | 426 |
| 熹平石经·····     | 427 |
| 焚书坑儒·····     | 427 |
| 罢黜百家独尊儒术····· | 427 |
| 盐铁会议·····     | 428 |
| 石渠阁会议·····    | 428 |
| 白虎观会议·····    | 429 |

【经学】

〔《易》学〕

|                |     |
|----------------|-----|
| 汉易·····        | 429 |
| 丁宽·····        | 430 |
| 孟喜·····        | 430 |
| 施雠·····        | 430 |
| 梁丘贺·····       | 431 |
| 京房·····        | 431 |
| 《京氏易传》·····    | 431 |
| 费直·····        | 431 |
| 荀爽·····        | 432 |
| 《周易注》(荀爽)····· | 432 |
| 《焦氏易林》·····    | 432 |
| 《周易郑注》·····    | 432 |
| 卦气·····        | 432 |
| 乾坤升降说·····     | 433 |
| 互体说·····       | 433 |
| 卦变说·····       | 434 |
| 八官说·····       | 434 |
| 纳甲说·····       | 434 |
| 五行生成说·····     | 434 |
| 爻辰说·····       | 434 |
| 占候术·····       | 435 |

〔《诗》学〕

|          |     |
|----------|-----|
| 辕固生····· | 435 |
| 申培·····  | 435 |

|             |     |
|-------------|-----|
| 韩婴·····     | 435 |
| 《韩诗外传》····· | 435 |
| 毛公·····     | 436 |
| 《毛诗序》·····  | 436 |
| 《毛诗郑笺》····· | 436 |
| 情志·····     | 436 |
| 诗有六义·····   | 437 |
| 四始·····     | 437 |
| 美刺·····     | 437 |
| 正变·····     | 437 |

〔《书》学〕

|             |     |
|-------------|-----|
| 伏生·····     | 438 |
| 欧阳生·····    | 438 |
| 大小夏侯·····   | 438 |
| 孔安国·····    | 438 |
| 《今文尚书》····· | 438 |
| 《古文尚书》····· | 439 |
| 《尚书大传》····· | 439 |
| 《尚书郑注》····· | 439 |

〔《礼》学〕

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 后苍·····         | 439 |
| 戴德·····         | 440 |
| 《大戴礼记》·····     | 440 |
| 戴圣·····         | 440 |
| 《礼记》·····       | 440 |
| 《曲礼》·····       | 441 |
| 《檀弓》·····       | 441 |
| 《王制》(《礼记》)····· | 442 |
| 《月令》·····       | 442 |
| 阴阳争胜·····       | 442 |
| 九宫·····         | 443 |
| 《礼运》·····       | 443 |
| 大同小康·····       | 444 |
| 天下为公·····       | 444 |
| 人者天地之心也·····    | 445 |
| 《礼器》·····       | 445 |
| 《郊特牲》·····      | 445 |
| 《大传》·····       | 446 |
| 《学记》·····       | 446 |
| 《祭义》·····       | 446 |
| 《经解》·····       | 447 |
| 温柔敦厚·····       | 447 |
| 《哀公问》·····      | 448 |
| 《坊记》·····       | 448 |

|                    |          |
|--------------------|----------|
| 《表記》·····          | 448      |
| 《小戴礼记》(见《礼记》)····· | 449(440) |
| 杜子春·····           | 449      |
| 郑众·····            | 449      |
| 《周礼注》(郑玄)·····     | 449      |
| 《仪礼注》(郑玄)·····     | 449      |
| 《礼记注》(郑玄)·····     | 449      |
| [《春秋》学]            |          |
| [左氏学]              |          |
| 郑兴·····            | 450      |
| 服虔·····            | 451      |
| [穀梁学]              |          |
| 瑕丘江公·····          | 451      |
| [公羊学]              |          |
| 胡毋生·····           | 451      |
| 公孙弘·····           | 451      |
| 何休·····            | 451      |
| 《春秋公羊解诂序》·····     | 452      |
| 三科九旨·····          | 452      |
| 张三世·····           | 452      |
| 存三统·····           | 452      |
| 尊王攘夷·····          | 453      |
| 春秋言灾异·····         | 453      |
| [《四书》学]            |          |
| 《鲁论》·····          | 453      |
| 《齐论》·····          | 453      |
| 《张侯论》·····         | 453      |
| 《论语注》(郑玄)·····     | 453      |
| 赵岐·····            | 453      |
| 《孟子章句》·····        | 454      |
| 《孟子注疏》(赵岐)·····    | 454      |
| 讖纬之学·····          |          |
| 易纬·····            | 455      |
| 《乾凿度》·····         | 456      |
| 太易·····            | 457      |
| 书纬·····            | 457      |
| 诗纬·····            | 458      |
| 礼纬·····            | 458      |
| 春秋纬·····           | 458      |
| 图讖·····            | 459      |
| 太极元气·····          | 459      |
| 八卦方位·····          | 460      |
| 天官五帝·····          | 460      |
| 《白虎通义》·····        | 460      |

|                  |     |
|------------------|-----|
| 三皇五帝·····        | 461 |
| 三教循环·····        | 461 |
| 五性六情·····        | 461 |
| 三纲六纪·····        | 461 |
| [经学家]            |     |
| 贾逵·····          | 462 |
| 许慎·····          | 462 |
| 《五经异义》·····      | 462 |
| 《说文解字》·····      | 463 |
| 马融·····          | 464 |
| 郑玄·····          | 464 |
| 《六艺论》·····       | 465 |
| 蔡邕·····          | 465 |
| 【子学及其他】          |     |
| 陆贾·····          | 465 |
| 《新语》·····        | 466 |
| 叔孙通·····         | 466 |
| 贾谊·····          | 466 |
| 《新书》·····        | 467 |
| 《过秦论》·····       | 467 |
| 董仲舒·····         | 467 |
| 《春秋繁露》·····      | 470 |
| 《天人三策》·····      | 471 |
| 天志·····          | 471 |
| 道之大原出于天·····     | 471 |
| 天人一类·····        | 472 |
| 谴告·····          | 472 |
| 符瑞·····          | 472 |
| 阳德阴刑·····        | 472 |
| 阳尊阴卑·····        | 473 |
| 阴者阳之合·····       | 473 |
| 五行相生相胜·····      | 474 |
| 五德相生·····        | 474 |
| 性三品(董仲舒)·····    | 474 |
| 素王·····          | 475 |
| 更化·····          | 475 |
| 三统三正·····        | 476 |
| 三纲·····          | 476 |
| 明道正谊不计功利·····    | 477 |
| 调均贫富·····        | 477 |
| 限民名田·····        | 478 |
| 司马迁·····         | 478 |
| 《史记·孔子世家》·····   | 479 |
| 《史记·仲尼弟子列传》····· | 479 |

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 《史记·儒林列传》·····  | 480 |
| 《史记·太史公自序》····· | 480 |
| 《报任安书》·····     | 481 |
| 刘向·····         | 481 |
| 《说苑》·····       | 481 |
| 《新序》·····       | 482 |
| 《洪范五行传论》·····   | 482 |
| 《列女传》·····      | 482 |
| 扬雄·····         | 482 |
| 《法言》·····       | 483 |
| 道有因革·····       | 483 |
| 性善恶混·····       | 483 |
| 心声心画·····       | 484 |
| 刘歆·····         | 484 |
| 《七略》·····       | 484 |
| 《三统历》·····      | 485 |
| 太极函三为一·····     | 485 |
| 桓谭·····         | 485 |
| 《新论》·····       | 486 |
| 班彪·····         | 486 |
| 王充·····         | 486 |
| 《论衡》·····       | 488 |
| 天人异体·····       | 488 |
| 人死不为鬼·····      | 488 |
| 命义·····         | 488 |
| 实知·····         | 489 |
| 效验·····         | 489 |
| 疾虚妄·····        | 489 |
| 性有善有恶·····      | 489 |
| 齐世·····         | 489 |
| 班固·····         | 490 |
| 《汉书·儒林传》·····   | 490 |
| 班昭·····         | 491 |
| 《女诫》·····       | 491 |
| 张衡·····         | 491 |
| 《灵宪》·····       | 492 |
| 王符·····         | 492 |
| 《潜夫论》·····      | 492 |
| 崔寔·····         | 492 |
| 《政论》·····       | 493 |
| 荀悦·····         | 493 |
| 《申鉴》·····       | 493 |
| 仲长统·····        | 494 |
| 《昌言》·····       | 494 |
| 应劭·····         | 494 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 《风俗通义序》····· | 495 |
| 《伤寒论序》·····  | 495 |
| 魏晋南北朝儒学····· | 496 |

### 【总论】

|                   |          |
|-------------------|----------|
| 南学·····           | 498      |
| 北学·····           | 498      |
| 正始石经·····         | 498      |
| 郑王之争·····         | 498      |
| 儒玄之争(见儒学与玄学)····· | 499(299) |
| 儒佛之争·····         | 499      |
| 儒道之争·····         | 501      |
| 有无之辨·····         | 501      |
| 言意之辨·····         | 502      |

### 【经学】

#### 〔《易》学〕

|                |     |
|----------------|-----|
| 《周易注》(虞翻)····· | 502 |
| 《周易注》(王肃)····· | 502 |
| 《周易注》(王弼)····· | 503 |
| 韩康伯·····       | 503 |
| 《系辞注》·····     | 503 |
| 体神明理·····      | 503 |
| 无阴无阳为道·····    | 503 |
| 非忘象无以制象·····   | 504 |
| 《周易注》(干宝)····· | 504 |

#### 〔《书》学〕

|               |     |
|---------------|-----|
| 《尚书王氏注》·····  | 504 |
| 伪《古文尚书传》····· | 504 |
| 六府三事·····     | 504 |
| 人心道心·····     | 505 |
| 梅賾·····       | 505 |

#### 〔《礼》学〕

|                |     |
|----------------|-----|
| 《周礼注》(王肃)····· | 505 |
| 《礼记王氏注》·····   | 505 |

#### 〔《春秋》学〕

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 杜预·····         | 505 |
| 《春秋左氏经传集解》····· | 506 |
| 《春秋序》·····      | 506 |
| 《春秋释例》·····     | 506 |
| 《春秋》以记事·····    | 506 |
| 范宁·····         | 506 |
| 《春秋穀梁传集解》·····  | 507 |
| 《春秋穀梁传序》·····   | 507 |

【《四书》学】

|            |     |
|------------|-----|
| 何晏         | 507 |
| 《论语集解》(何晏) | 507 |
| 郭象         | 508 |
| 《论语体略》     | 508 |
| 皇侃         | 508 |
| 《论语义疏》     | 508 |

【子学及其他】

|           |          |
|-----------|----------|
| 徐幹        | 509      |
| 《中论》      | 509      |
| 曹丕        | 509      |
| 《典论·论文》   | 510      |
| 曹植        | 510      |
| 《画赞序》     | 511      |
| 刘劭        | 511      |
| 王肃        | 511      |
| 《圣证论》     | 511      |
| 《孔子家语》    | 512      |
| 《孔丛子》     | 512      |
| 张辑        | 512      |
| 《广雅》(见张辑) | 512(512) |
| 阮籍        | 512      |
| 《乐论》(阮籍)  | 513      |
| 《通易论》     | 513      |
| 傅玄        | 513      |
| 《傅子》      | 514      |
| 急商缓农      | 514      |
| 裴秀        | 514      |
| 《禹贡地域图》   | 515      |
| 王弼        | 515      |
| 《论语释疑》    | 515      |
| 《周易略例》    | 516      |
| 乾坤用形      | 516      |
| 动息则静      | 516      |
| 太极为无      | 516      |
| 适变通爻      | 516      |
| 得意在忘象     | 517      |
| 执一统众      | 517      |
| 性其情       | 517      |
| 蒋济        | 517      |
| 《万机论》     | 517      |
| 桓范        | 517      |
| 《世要论》     | 518      |
| 杜恕        | 518      |

|           |     |
|-----------|-----|
| 《体论》      | 518 |
| 欧阳建       | 518 |
| 《言尽意论》    | 519 |
| 袁准        | 519 |
| 《袁子正书》    | 519 |
| 杨泉        | 519 |
| 《物理论》     | 519 |
| 刘徽        | 520 |
| 《九章算术注序》  | 520 |
| 裴頠        | 520 |
| 《崇有论》     | 520 |
| 郭璞        | 521 |
| 《尔雅注》(郭璞) | 521 |
| 孙盛        | 522 |
| 《老聃非大圣论》  | 522 |
| 戴逵        | 522 |
| 《释疑论》     | 522 |
| 《放达为非道论》  | 523 |
| 何承天       | 523 |
| 《达性论》     | 523 |
| 刘峻        | 523 |
| 《辨命论》     | 524 |
| 刘勰        | 524 |
| 《文心雕龙》    | 524 |
| 《原道》(刘勰)  | 525 |
| 《征圣》      | 525 |
| 《宗经》      | 525 |
| 《神思》      | 526 |
| 《体性》      | 526 |
| 《序志》      | 526 |
| 神思        | 527 |
| 风骨        | 527 |
| 情采        | 527 |
| 隐秀        | 527 |
| 钟嵘        | 527 |
| 《诗品》      | 528 |
| 滋味说       | 528 |
| 三义说       | 529 |
| 物感说       | 529 |
| 裴子野       | 529 |
| 《雕虫论》     | 529 |
| 萧统        | 530 |
| 《文选序》     | 530 |
| 贾思勰       | 530 |
| 颜之推       | 531 |

|                  |     |                  |     |
|------------------|-----|------------------|-----|
| 《颜氏家训》·····      | 531 | 贾公彦·····         | 545 |
| 《文章》·····        | 532 | 《周礼郑注·疏》·····    | 545 |
| 人伦重在三亲·····      | 532 | 《仪礼郑注·疏》·····    | 545 |
| 治家贵俭·····        | 532 | [[《春秋》学]         |     |
| 读书在能行·····       | 532 | 《春秋左传正义·孔疏》····· | 546 |
| 《刘子》·····        | 533 | 《春秋正义序》·····     | 546 |
| 隋唐儒学·····        | 534 | 徐彦·····          | 546 |
| 【总论】             |     | 《春秋公羊传何注·疏》····· | 546 |
| 科举与明经·····       | 536 | 杨士勋·····         | 546 |
| 儒学与古文运动·····     | 536 | 《春秋穀梁传范注·疏》····· | 546 |
| 儒学与新乐府运动·····    | 537 | 陆淳·····          | 547 |
| 开成石经·····        | 538 | 《春秋集传纂例》·····    | 547 |
| 蜀石经·····         | 538 | 《春秋集传辨疑》·····    | 547 |
| 《隋书·经籍志》·····    | 538 | 《春秋集传微旨》·····    | 547 |
| 《隋书·儒林列传》·····   | 539 | [[《孝经》学]         |     |
| 《旧唐书·儒学列传》·····  | 539 | 唐玄宗·····         | 547 |
| 《新唐书·儒学列传》·····  | 539 | 《孝经注》·····       | 547 |
| 【经学】             |     | 【子学及其他】          |     |
| 九经·····          | 539 | 陆德明·····         | 548 |
| 《五经正义》·····      | 540 | 《经典释文》·····      | 548 |
| [[《易》学]          |     | 颜师古·····         | 549 |
| 孔颖达·····         | 540 | 《匡谬正俗》·····      | 549 |
| 《周易正义·孔疏》·····   | 540 | 王通·····          | 549 |
| 《周易正义序》·····     | 541 | 《中说》·····        | 550 |
| 《易》理备包有无·····    | 541 | 萧吉·····          | 550 |
| 形由道而立·····       | 541 | 《五行大义》·····      | 550 |
| 无阴无阳谓之道·····     | 542 | 吕才·····          | 551 |
| 太极元气混而为一·····    | 542 | 刘知幾·····         | 551 |
| 崔憬·····          | 542 | 《史通》·····        | 551 |
| 《周易探玄》·····      | 542 | 实录直书·····        | 552 |
| 器体道用·····        | 542 | 疑古惑经·····        | 552 |
| 李鼎祚·····         | 542 | 史有三长·····        | 553 |
| 《周易集解》(李鼎祚)····· | 543 | 吴兢·····          | 553 |
| [[《诗》学]          |     | 《贞观政要》·····      | 553 |
| 《毛诗正义·孔疏》·····   | 543 | 张怀瓘·····         | 553 |
| 《毛诗正义序》·····     | 543 | 《书断》·····        | 553 |
| [[《书》学]          |     | 杜佑·····          | 554 |
| 《尚书正义·孔疏》·····   | 543 | 《通典》·····        | 554 |
| 《尚书正义序》·····     | 544 | 柳冕·····          | 554 |
| [[《礼》学]          |     | 圣人之道犹圣人之文·····   | 554 |
| 《礼记正义·孔疏》·····   | 544 | 韩愈·····          | 555 |
| 《礼记正义序》·····     | 544 | 《原道》(韩愈)·····    | 556 |
| 《周礼正义序》·····     | 545 | 《原性》(韩愈)·····    | 557 |
|                  |     | 天说·····          | 557 |

|             |     |
|-------------|-----|
| 《进学解》       | 557 |
| 《师说》        | 558 |
| 道统          | 558 |
| 性三品(韩愈)     | 558 |
| 气盛言宜        | 559 |
| 修辞明道        | 559 |
| 不平则鸣        | 559 |
| 李翱          | 559 |
| 《论语笔解》      | 560 |
| 《复性书》       | 560 |
| 诚者圣人之性      | 561 |
| 情由性而生       | 561 |
| 物至不应于物为致知   | 561 |
| 明觉则情无邪      | 561 |
| 刘禹锡         | 562 |
| 《天论》(刘禹锡)   | 563 |
| 天人交相胜       | 563 |
| 数存而势生       | 563 |
| 理昧而言天       | 563 |
| 白居易         | 564 |
| 讽谕          | 564 |
| 柳宗元         | 564 |
| 《贞符》        | 566 |
| 《守道论》       | 566 |
| 《四维论》       | 567 |
| 《六逆论》       | 567 |
| 《天对》        | 567 |
| 《答刘禹锡天论书》   | 567 |
| 正德受命于生人之意   | 567 |
| 力足者取乎人      | 568 |
| 天人不相预       | 568 |
| 天地本始惟元气存    | 568 |
| 天道无功无作      | 568 |
| 文以明道        | 569 |
| 张彦远         | 569 |
| 《历代名画记》     | 569 |
| 《备急千金要方·总论》 | 569 |
| 宋代儒学        | 570 |
| 【总论】        |     |
| 通经取士        | 573 |
| 宋学          | 573 |
| 道学          | 574 |
| 性理之学        | 575 |
| 功利之学        | 575 |

|              |          |
|--------------|----------|
| 理学           | 575      |
| 心学           | 578      |
| 象数之学         | 579      |
| 濂学           | 579      |
| 关学           | 580      |
| 洛学           | 580      |
| 闽学           | 581      |
| 蜀学           | 582      |
| 浙学           | 582      |
| 婺学           | 583      |
| 新学           | 583      |
| 北宋五子         | 583      |
| 程门四弟子        | 584      |
| 《宋史·道学列传》    | 584      |
| 朱陆之争         | 584      |
| 元祐党争         | 585      |
| 庆元党争         | 585      |
| 鹅湖之会         | 585      |
| 四大书院         | 586      |
| 应天书院(见四大书院)  | 586(586) |
| 岳麓书院(见四大书院)  | 586(586) |
| 白鹿洞书院(见四大书院) | 586(586) |
| 石鼓书院(见四大书院)  | 586(586) |
| 嵩阳书院         | 586      |
| 象山书院         | 586      |

## 【经学】

### 〔《易》学〕

|            |     |
|------------|-----|
| 《周易口义》(胡瑗) | 587 |
| 《横渠先生易说》   | 587 |
| 《苏氏易传》     | 587 |
| 《伊川易传》     | 588 |
| 《汉上易传》     | 588 |
| 《周易本义》(朱熹) | 589 |
| 《诚斋易传》     | 589 |
| 《杨氏易传》     | 589 |

### 〔《诗》学〕

|             |     |
|-------------|-----|
| 《毛诗本义》(欧阳修) | 590 |
| 《诗集传》(朱熹)   | 590 |

### 〔《书》学〕

|            |     |
|------------|-----|
| 《书经集传》(蔡沈) | 590 |
|------------|-----|

### 〔《礼》学〕

|              |     |
|--------------|-----|
| 《三礼图集注》(聂崇义) | 591 |
|--------------|-----|

### 〔《春秋》学〕

|             |     |
|-------------|-----|
| 《春秋传说例》(刘敞) | 591 |
|-------------|-----|

## 条目分类目录

|                     |          |
|---------------------|----------|
| 《春秋传》(胡安国).....     | 591      |
| 《春秋集注》(高闾).....     | 591      |
| [《孝经》学]             |          |
| 《孝经注疏》(邢昺).....     | 591      |
| [《四书》学]             |          |
| 《论语注疏》(邢昺).....     | 592      |
| 《四书章句集注》(朱熹).....   | 592      |
| 《大学衍义》(真德秀).....    | 593      |
| <b>【子学及其他】</b>      |          |
| 邢昺.....             | 593      |
| 孙奭.....             | 593      |
| 范仲淹.....            | 593      |
| 先天下之忧而忧后天下之乐而乐..... | 594      |
| 孙复.....             | 594      |
| 《春秋尊王发微》.....       | 595      |
| 胡瑗.....             | 595      |
| 石介.....             | 595      |
| 《徂徕集》(见石介).....     | 595(595) |
| 李之才.....            | 595      |
| 欧阳修.....            | 596      |
| 《本论》.....           | 596      |
| 《六一诗话》.....         | 597      |
| 礼义者胜佛之本.....        | 597      |
| 画意不画形.....          | 597      |
| 穷而后工.....           | 597      |
| 李觏.....             | 597      |
| 《礼论》(李觏).....       | 598      |
| 《易论》.....           | 598      |
| 乾卦四德义.....          | 598      |
| 权者反常.....           | 598      |
| 人非利不生.....          | 598      |
| 苏洵.....             | 598      |
| 刘牧.....             | 599      |
| 《易数钩隐图》.....        | 599      |
| 河图九.....            | 599      |
| 洛书十.....            | 600      |
| 邵雍.....             | 600      |
| 《皇极经世》.....         | 601      |
| 先天学.....            | 602      |
| 后天学.....            | 602      |
| 一分为二.....           | 602      |
| 四象定天地之体.....        | 602      |
| 往来顺逆.....           | 603      |
| 元会运世.....           | 603      |

|                |     |
|----------------|-----|
| 一元消长之数.....    | 603 |
| 天地有终始.....     | 603 |
| 以物观物.....      | 604 |
| 心为太极.....      | 604 |
| 周敦颐.....       | 604 |
| 《太极图说》.....    | 605 |
| 《通书》.....      | 606 |
| 无极而太极.....     | 606 |
| 立人极.....       | 607 |
| 诚为百行之源.....    | 607 |
| 诚神几曰圣人.....    | 607 |
| 一实万分.....      | 607 |
| 乐声淡乐辞善.....    | 607 |
| 陈襄.....        | 607 |
| 刘敞.....        | 608 |
| 《七经小传》.....    | 608 |
| 司马光.....       | 608 |
| 《温公迂书》.....    | 609 |
| 《温公疑孟》.....    | 609 |
| 张载.....        | 610 |
| 《正蒙》.....      | 611 |
| 《太和篇》.....     | 612 |
| 《西铭》.....      | 612 |
| 万象皆气.....      | 613 |
| 太虚即气则无无.....   | 613 |
| 太虚之气.....      | 614 |
| 一物两体.....      | 614 |
| 神化.....        | 615 |
| 大心.....        | 615 |
| 见闻之知与德性所知..... | 615 |
| 天地之性与气质之性..... | 616 |
| 心统性情.....      | 616 |
| 民胞物与.....      | 617 |
| 道学与政术不殊.....   | 617 |
| 学以变化气质.....    | 617 |
| 井田得均平之道.....   | 618 |
| 为天地立心.....     | 618 |
| 王安石.....       | 618 |
| 《礼乐论》.....     | 619 |
| 《原性》(王安石)..... | 620 |
| 《洪范传》.....     | 620 |
| 《周官新义》.....    | 620 |
| 五行谓之行.....     | 620 |
| 耦中有耦.....      | 621 |
| 性生乎情.....      | 621 |

|                     |          |
|---------------------|----------|
| 天变不足畏·····          | 621      |
| 新故相除·····           | 621      |
| 沈括·····             | 622      |
| 《梦溪笔谈》·····         | 623      |
| 形有真数·····           | 623      |
| 物理有常有变·····         | 624      |
| 程颢·····             | 624      |
| 《定性书》·····          | 625      |
| 《论十事札子》·····        | 626      |
| 《论王霸札子》·····        | 626      |
| 《识仁篇》·····          | 626      |
| 《河南程氏遗书》·····       | 627      |
| 天理·····             | 627      |
| 仁者与万物为一体·····       | 628      |
| 继天生理是为性善·····       | 628      |
| 天人本无二·····          | 628      |
| 只心便是天·····          | 629      |
| 器亦道道亦器·····         | 629      |
| 无独必有对·····          | 629      |
| 王者传圣人之心·····        | 630      |
| 程颐·····             | 630      |
| 《颜子所好何学论》·····      | 632      |
| 《与吕大临论中书》·····      | 632      |
| 《答杨时论西铭书》·····      | 633      |
| 《答张闳中书》·····        | 633      |
| 《河南程氏经说》·····       | 633      |
| 所以阴阳者是道·····        | 633      |
| 体用一源显微无间·····       | 634      |
| 理一分殊·····           | 634      |
| 万物皆是一理·····         | 635      |
| 一本万殊·····           | 635      |
| 气有生灭·····           | 635      |
| 真元之气·····           | 635      |
| 动静无端阴阳无始·····       | 636      |
| 知先行后·····           | 636      |
| 涵养须用敬进学在致知·····     | 636      |
| 性即理·····            | 637      |
| 性气不可偏论·····         | 637      |
| 义与利只是公与私·····       | 637      |
| 存天理灭人欲·····         | 637      |
| 饿死事极大失节事极大(见存天理灭人欲) | 637(637) |
| 孔颜乐处·····           | 638      |
| 圣贤气象·····           | 638      |
| 孔门传授心法·····         | 638      |

|                   |          |
|-------------------|----------|
| 作文害道·····         | 638      |
| 苏轼·····           | 638      |
| 《东坡集》·····        | 640      |
| 性存乎心则伪之始·····     | 640      |
| 善者性之效·····        | 640      |
| 象立而阴阳隐·····       | 640      |
| 善立而道不见·····       | 641      |
| 寓意于物而不留意于物·····   | 641      |
| 画竹必先得成竹于胸·····    | 641      |
| 书必有神气骨肉血·····     | 641      |
| 诗中有画画中有诗·····     | 641      |
| 苏辙·····           | 642      |
| 吕大临·····          | 642      |
| 陆佃·····           | 642      |
| 谢良佐·····          | 643      |
| 《上蔡语录》(见谢良佐)····· | 643(643) |
| 杨时·····           | 643      |
| 《龟山集》(见杨时)·····   | 643(643) |
| 邵伯温·····          | 643      |
| 《易学辨惑》·····       | 644      |
| 《观物内外篇解》·····     | 644      |
| 晁说之·····          | 644      |
| 尹焞·····           | 645      |
| 朱震·····           | 645      |
| 李侗·····           | 645      |
| 张戒(见《岁寒堂诗话》)····· | 645(645) |
| 《岁寒堂诗话》·····      | 645      |
| 郑樵·····           | 646      |
| 《通志》·····         | 646      |
| 胡宏·····           | 646      |
| 《知言》(见胡宏)·····    | 647(646) |
| 王灼(见《碧鸡漫志》)·····  | 647(647) |
| 《碧鸡漫志》·····       | 647      |
| 洪迈·····           | 647      |
| 《容斋随笔》(见洪迈)·····  | 648(647) |
| 杨万里·····          | 648      |
| 朱熹·····           | 648      |
| 《论孟精义》·····       | 653      |
| 《太极图解》·····       | 653      |
| 《伊洛渊源录》·····      | 654      |
| 《近思录》·····        | 654      |
| 《白鹿书院教规》·····     | 655      |
| 《四书或问》·····       | 655      |
| 《朱子语类》·····       | 655      |
| 《朱文公文集》·····      | 656      |

|                     |          |
|---------------------|----------|
| 理为太极·····           | 656      |
| 太极者天地万物之根·····      | 657      |
| 太极生阴阳·····          | 657      |
| 理气·····             | 658      |
| 物物一太极·····          | 658      |
| 体立而后用行·····         | 659      |
| 贞下起元·····           | 659      |
| 万理具于一心·····         | 659      |
| 即物穷理·····           | 659      |
| 居敬穷理·····           | 660      |
| 情者心之用·····          | 660      |
| 性体情用·····           | 660      |
| 未发已发·····           | 661      |
| 道心人心为二·····         | 661      |
| 十六字心传(见道心人心为二)····· | 662(661) |
| 大学小学之教·····         | 662      |
| 文从道中流出·····         | 662      |
| 真味发溢·····           | 662      |
| 君臣父子定位不易·····       | 662      |
| 天下无不是底君父·····       | 662      |
| 社仓之法·····           | 663      |
| 陆九龄·····            | 663      |
| 张栻·····             | 663      |
| 《南轩集》·····          | 664      |
| 薛季宣·····            | 664      |
| 蔡元定·····            | 664      |
| 《易学启蒙》·····         | 665      |
| 吕祖谦·····            | 665      |
| 《东莱左氏博议》·····       | 666      |
| 陈傅良·····            | 666      |
| 陆九渊·····            | 666      |
| 《象山先生全集》·····       | 669      |
| 《与朱元晦》·····         | 669      |
| 心即理·····            | 669      |
| 吾心即是宇宙·····         | 670      |
| 诚己乃所以成物·····        | 670      |
| 人心道心为一·····         | 670      |
| 发明本心·····           | 671      |
| 易简工夫·····           | 671      |
| 六经注我·····           | 672      |
| 杨简·····             | 672      |
| 《慈湖遗书》·····         | 672      |
| 天道即人心·····          | 673      |
| 天人本一·····           | 673      |
| 心性为一·····           | 673      |

|                  |          |
|------------------|----------|
| 陈亮·····          | 673      |
| 《龙川文集》·····      | 674      |
| 德理不离事功·····      | 674      |
| 道在物中·····        | 674      |
| 义利双修王霸并行·····    | 675      |
| 叶适·····          | 675      |
| 《习学记言序目》·····    | 676      |
| 《水心文集》·····      | 676      |
| 道原于一而成于两·····    | 676      |
| 验事考器以明道·····     | 676      |
| 知其势则天下治·····     | 677      |
| 黄榦·····          | 677      |
| 陈淳·····          | 677      |
| 《北溪字义》·····      | 677      |
| 李心传·····         | 677      |
| 《道命录》(见李心传)····· | 678(677) |
| 熊节·····          | 678      |
| 《性理群书》(见熊节)····· | 678(678) |
| 蔡沈·····          | 678      |
| 真德秀·····         | 678      |
| 《西山文集》·····      | 679      |
| 《心经》·····        | 679      |
| 魏了翁·····         | 679      |
| 元好问·····         | 680      |
| 《论诗三十首》·····     | 680      |

## 元明儒学····· 681

### 【总论】

|             |     |
|-------------|-----|
| 理学与科举·····  | 683 |
| 南吴北许·····   | 685 |
| 湛学·····     | 685 |
| 王学·····     | 685 |
| 泰州学派·····   | 686 |
| 东林学派·····   | 687 |
| 唐宋派·····    | 688 |
| 理气之辨·····   | 688 |
| 心性之辨·····   | 689 |
| 象数之辨·····   | 690 |
| 儒禅之辨·····   | 690 |
| 本体功夫之辨····· | 690 |
| 朱陆之辨·····   | 691 |
| 格物致知之学····· | 691 |
| 复社·····     | 692 |
| 东林书院·····   | 692 |
| 姚江书院·····   | 692 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 证人书院           | 692 |
| <b>【经学】</b>    |     |
| 《五经大全》         | 693 |
| 《四书大全》         | 693 |
| <b>〔《易》学〕</b>  |     |
| 《易本义附录纂疏》(胡一桂) | 693 |
| 《周易集说》(俞琰)     | 693 |
| 《易纂言》(吴澄)      | 694 |
| 《周易会通》(董真卿)    | 694 |
| 《易经蒙引》(蔡清)     | 694 |
| 《周易集注》(来知德)    | 694 |
| 《古周易订诂》(何楷)    | 695 |
| 《周易时论合编》(方孔炤)  | 695 |
| <b>〔《诗》学〕</b>  |     |
| 《诗经大全》         | 695 |
| <b>〔《书》学〕</b>  |     |
| 《尚书考异》(梅鹗)     | 696 |
| 《尚书疏衍》(陈第)     | 696 |
| <b>〔《礼》学〕</b>  |     |
| 《礼记集说》(陈澧)     | 696 |
| 《礼记大全》         | 697 |
| <b>〔《春秋》学〕</b> |     |
| 《春秋左氏传补注》(赵汭)  | 697 |
| <b>〔《孝经》学〕</b> |     |
| 《孝经集传》(黄道周)    | 697 |
| <b>〔《四书》学〕</b> |     |
| 《大学衍义补》(邱濬)    | 697 |
| 《四书蒙引》(蔡清)     | 697 |
| <b>【子学及其他】</b> |     |
| 《性理大全书》        | 698 |
| 《理学类编》         | 698 |
| 耶律楚材           | 698 |
| 秦九韶            | 698 |
| 《数书九章》         | 699 |
| 大衍求一术          | 699 |
| 许衡             | 699 |
| 《鲁斋遗书》         | 700 |
| 黄震             | 700 |
| 《黄氏日钞》         | 700 |
| 王应麟            | 700 |
| 《困学纪闻》         | 701 |
| 金履祥            | 701 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 《尚书表注》    | 701 |
| 文天祥       | 702 |
| 《正气歌》     | 702 |
| 刘因        | 702 |
| 《静修先生文集》  | 703 |
| 保巴        | 703 |
| 《周易原旨》    | 703 |
| 吴澄        | 703 |
| 《吴文正集》    | 704 |
| 马端临       | 704 |
| 《文献通考》    | 704 |
| 俞琰        | 705 |
| 许谦        | 705 |
| 《白云集》     | 705 |
| 赵汭        | 706 |
| 《春秋金锁匙》   | 706 |
| 方孝孺       | 706 |
| 薛瑄        | 706 |
| 《读书录》     | 707 |
| 理一分殊不相离   | 707 |
| 陈献章       | 707 |
| 《白沙集》     | 708 |
| 蔡清        | 708 |
| 太极兼阴阳     | 709 |
| 实有是气则实有是理 | 709 |
| 罗钦顺       | 709 |
| 《困知记》     | 710 |
| 理气为一      | 710 |
| 格物非格心     | 710 |
| 湛若水       | 710 |
| 《湛甘泉先生文集》 | 711 |
| 《新泉问辨录》   | 711 |
| 《新泉问辨续录》  | 711 |
| 人心与天地万物同体 | 712 |
| 心无内外      | 712 |
| 气质之中正即是性  | 712 |
| 理气道器合一    | 712 |
| 王守仁       | 712 |
| 《大学问》     | 715 |
| 《传习录》     | 716 |
| 《教约》      | 716 |
| 《王文成公全书》  | 717 |
| 心外无物      | 717 |
| 心外无理      | 718 |
| 致良知       | 718 |